हरिभूमि कांकेर भूमि

रायपुर, सोमवार 19 जनवरी 2026

भानुप्रतापपुर | चारामा | अंतागढ़ | पखांजूर | दुर्गूकोंदल | नरहरपुर | लखनपुरी | कोयलीबेड़ा

तापमान

अधिकतम 29.0 डिग्री

न्यूनतम 14.0 डिग्री

12 आदिवासियों की सामूहिक रूप से मूलधर्म में...

12 जनकपुर नहर लाइनिंग में भारी अनियमिताएं..

खबर संक्षेप

महुआ शराब जब्त पकड़ाया कोचिया

कांकेर। थाना कांकेर पुलिस ने 17 जनवरी को रात 8 बजें छापामार कार्यवाही करते हुए बड़ेपारा अटल चौक अर्जुनी के पास से शराब कोचिया को पकड़ा और कब्जे से महुआ शराब को जप्त किया। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी बड़पारा अर्जुनी निवासी दुलार जैन पिता स्व. बरतुराम जैन द्वारा अवैध रूप से महुआ शराब को बेचने के लिए रखा हुआ था। आरोपी के कब्जे से 7 लीटर महुआ शराब कीमत 700 रूपएं व नगद 100 रूपएं को जप्त कर धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

घायल की इलाज के दौरान हुई मौत

कांकेर। थाना कांकेर अंतर्गत पीढ़ापाल निवासी 47 वर्षीय माखन सिंग पिता दऊराम का सड़क दुर्घटना में 16 जनवरी को मौत हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक सड़क दुर्घटना में घायल हुआ था। इलाज के लिए रायुपर के अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां इलाज के दौरान उसका मौत हो गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

कोतवाली परिसर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

कांकेर। जन सहयोग संस्था के सदस्यों ने 18 जनवरी को कोतवाली परिसर में सफाई अभियान चलाया, इस दौरान निकले कचरा का मौके पर ही निष्पादन किया गया। थाना परिसर में ही भोले बाबा का एक मंदिर है, इसकी भी सफाई किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी जितेंद्र कुमार साहू, यातायात प्रभारी दीपक साव के अलावा समस्त स्टाप, संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी, वरिष्ठ कार्यकर्ता प्रवीण गुप्ता, जितेंद्र प्रताप देव, धर्मेंद्र देव, संजयकुंजाम ,अखिलेश साहू, करण नेताम, शैलेंद्र देहारी, डॉ. श्याम देव, आनंद देहारी, शेषनारायण कश्यप शामिल रहे।

डूबने से हुई मौत विवेचना जारी

कांकेर। भानुप्रतापपुर थानांतर्गत आवासपारा दाबकट्टा निवासी अर्जुन विश्वकर्मा का डूबने से मौत हो गया। बादबक्कटा निवासी रमेश विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि मृतक 14 जनवरी को पानी में डूब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया।

कांकेर नए बसस्टैंड में 22 को हिंदू सम्मेलन

कांकेर। अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर की वर्षगांठ पर कांकेर शहर में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 22 जनवरी गुरुवार को नया बस स्टैंड, बाजार डोम कांकेर में आयोजित होगा। सम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म की अवधारणा, सांस्कृतिक गौरव, हिंदू एकता एवं राष्ट्र चेतना को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह साढ़े 11 बजें होगा। दोपहर 12 से 2 बजे तक मानस मंडली की प्रस्तुति दी जाएगी तथा दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक उद्बोधन एवं राम प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

जी-राम-जी जैसी अच्छी योजना कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं : पाण्डेय

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा है कि विकसित भारत जी राम जी अधिनियम को लेकर कांग्रेस लगातार तथ्य और सत्य की अनदेखी कर झूठ फैलाकर किसानों व मजदूरों को बरगलाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि वीबी-जी राम जी को लेकर कांग्रेस का किसान-मजदूर विरोधी चरित्र का परिचायक है।

विडंबना : नए बस स्टैंड गार्डन में बने भवन को अब तक संचालकों को नहीं सौंपा गया

गढ़ कलेवा का संचालन आज भी झोपड़ी में और लाखों का भवन बना औचित्यहीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

गढ़ कलेवा जैसी महत्वाकांक्षी योजना, जिसे छत्तीसगढ़ी संस्कृति और पारंपरिक व्यंजनों के संरक्षण का माध्यम माना गया, परंतु पहले दिन से आज तक गढ़ कलेवा झोपड़ी तक सीमित है, जबकि लाखों रुपये की लागत से बना भवन उपयोग से पहले ही जर्जर होने लगा है। गढ़ कलेवा के लिए बना भवन में किन कारणों से ताला लटका है, इसकी जानकारी गढ़ कलेवा संचालित करने वालों को नहीं मालूम है।

गढ़ कलेवा योजना के तहत शहर के नए बस स्टैंड परिसर के गार्डन जहाँ विकसित करना था, वहाँ पर गढ़ कलेवा का शुभारंभ किया गया था। योजना का उद्देश्य स्थानीय महिला समूहों और संचालकों को रोजगार देना और आम जनता को छत्तीसगढ़ी स्वाद से जोड़ना था। शुरुआती दौर में गढ़ कलेवा को अस्थायी रूप से झोपड़ी में संचालित किया गया, साथ ही यह घोषणा भी की गई कि जल्द ही इसके लिए एक स्थायी और आधुनिक भवन तैयार कर संचालकों को सौंपा जाएगा। करीब तीन वर्ष पूर्व भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की गई। निर्माण कार्य भी कराया गया, लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक यह भवन गढ़ कलेवा के संचालकों को औपचारिक रूप से सौंपा नहीं जा सका। नतीजतन, गढ़ कलेवा अब भी झोपड़ी में ही संचालित हो रहा है, जबकि पास में बना नया भवन में ताले लटके हुए है। सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि लाखों रुपये की लागत से बना यह भवन अधूरा और उपेक्षित होकर जर्जर होने लगा है। शहर के मध्य में स्थित इस भवन की बदहाल स्थिति जिम्मेदारों की उदासीनता की ओर साफ इशारा करती है। अब देखने वाली बात यह होगी कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं। भवन की जांच कर जल्द गढ़ कलेवा संचालकों को सौंपा

▶▶| शेष पेज 10 पर

खास बातें

- कागजों पर पूरा और जमीन पर अधूरा, यही है हकीकत
- सूचना बोर्ड तक नहीं लगा, ठेकेदार और विभाग का पता नहीं, पारदर्शिता पर सवाल
- सार्वजनिक धन की बर्बादी, जिम्मेदारों की चुप्पी ने बढ़ाई नाराजगी

भवन सौंपने के पहले हो जाएगा जर्जर

भवन अब तक संचालकों को क्यों नहीं सौंपा गया, इस सवाल का जवाब न तो नगर प्रशासन के पास है और न ही संबंधित विभागों के अधिकारियों के पास। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब भवन तैयार हो चुका है, तो उसे उपयोग में लाने में आखिर किस बात की बाधा है। यदि कोई तकनीकी या प्रशासनिक कमी है, तो उसे दूर क्यों नहीं किया गया। ऐसा ही हाल बना रहा तो भवन गढ़ कलेवा के संचालक को सौपने के लिए पूरी तरह से जर्जर हो जाएगा।

पारदर्शिता पर सवाल उठना तय

नवनिर्मित भवन के पास किसी भी प्रकार का सूचना बोर्ड भी नजर नहीं आया। आमतौर पर शासकीय निर्माण कार्यों में यह स्पष्ट होता है कि भवन किस योजना के अंतर्गत, किस विभाग द्वारा, कितनी राशि से और किस ठेकेदार के माध्यम से बनवाया गया है। लेकिन यहां ऐसा कोई भी विवरण उपलब्ध नहीं है। इससे पारदर्शिता पर सवाल उठना लाजमी है।

बारिश में होती है ज्यादा दिक्कत

गढ़ कलेवा के संचालकों का कहना है कि झोपड़ी में सीमित संसाधनों के साथ काम करना कठिन हो रहा है। बरसात और गर्मी में ग्राहकों को परेशानी होती है, जिससे व्यवसाय भी प्रभावित होता है। यदि नया भवन सौंप दिया जाए, तो न केवल संचालन बेहतर होगा बल्कि शहर को एक सुव्यवस्थित सांस्कृतिक केंद्र भी मिल सकता है।

ढाबे में दाल फ्राई के रेट पर विवाद लोहे के रॉड से हमला, दो घायल

कांकेर। माकड़ी क्षेत्र में एक ढाबे पर भोजन के रेट को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते गंभीर मारपीट में बदल गया। घटना में ढाबा संचालक समेत दो लोगों को चोटें आई हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कांकेर थानांतर्गत माकड़ीखुना निवासी 34 वर्षीय मदन यादव पिता रामचंद्र यादव ने थाना कांकेर में शिकायत दर्ज कराते हुए पुलिस को बताया कि 17 जनवरी को दोपहर करीब डेढ़ बजे पंकज यादव माकड़ी स्थित ढाबे में भोजन करने पहुंचा था। वहां उसने दाल फ्राई का रेट पूछा, जिस पर ढाबा संचालक ने हाफ प्लेट का मूल्य 70 रुपये बताया। इसी बात को लेकर पंकज यादव ने अधिक कीमत वसूलने का आरोप लगाते हुए ढाबा संचालक से गाली-गलौच शुरू कर दी और बिना खाना खाए वहां से चला गया। कुछ समय बाद मदन यादव अपने ढाबा मैनेजर मनीष यादव और सहयोगी संग्राम कोरेटी के साथ एमएस मोटर्स पहुंचे और वहां मौजूद मैनेजर से पंकज यादव द्वारा किए गए विवाद और गाली-गलौच की शिकायत की। शिकायत की

▶▶| शेष पेज 10 पर

कार वाशिंग ग्राहक को लेकर दो दुकानदारों में विवाद फिर भिड़ंत, हुआ दर्ज काउंटर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

- पुलिस विवेचना के बाद कार्रवाई की जाएगी

पखांजुर में कार वाशिंग कराने पहुँचे ग्राहक को लेकर दो दुकानदारों में शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी तक दे डाली। घटना के बाद दोनों पक्ष थाना पखांजुर पहुंचे, जहां पुलिस ने दोनों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

पहले पक्ष से पीव्ही 33 उदयपुर निवासी 24 वर्षीय अभिजीत विश्वास पिता अधीर विश्वास ने पुलिस को बताया कि वह कार वाशिंग सेंटर का संचालन करता है। 17 जनवरी की सुबह करीब साढ़े 8 बजे एक ग्राहक उसकी दुकान पर आया था। अभिजीत ने ग्राहक से थोड़ी देर रुकने को कहकर ब्रश करने घर चला गया। लौटते समय उसे संदेह हुआ और जब वह करीब 9.15 बजे दुकान पहुंचा तो ग्राहक वहां मौजूद नहीं था। पूछताछ करने पर देवजीत नामक युवक ने बताया कि वह ग्राहक को अपनी दुकान ले गया है। इसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि देवजीत ने अपने साथी राणा मंडल को बुलाया और दोनों ने मिलकर अभिजीत के साथ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। बीच-बचाव करने आई उसकी मां सुचित्रा विश्वास के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने इस शिकायत पर देवजीत और राणा मंडल के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 296, 3(5), 351(2) के तहत मामला दर्ज किया।

दूसरे पक्ष से पीव्ही 39 निवासी 20 वर्षीय देवजीत बैरागी पिता ननीगोपाल बैरागी ने पुलिस को बताया कि वह शोरूम पखांजुर के पास स्थित एक कार वाशिंग सेंटर में काम करता है। 17 जनवरी की सुबह जब वह दुकान जा रहा था, तभी उसके गांव के रंजन विश्वास ने उससे कार धोने की बात कही। देवजीत के अनुसार, अभिजीत विश्वास ने ही उसे अपनी दुकान पर आने को कहा था। दुकान पहुंचने पर ग्राहक को लेकर विवाद हुआ और अभिजीत ने अपने भाई सत्या विश्वास के साथ मिलकर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान दुकान मालिक राणा

▶▶| शेष पेज 10 पर

पिकअप की टक्कर से युवक की हुई मौत, चालक पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

राष्ट्रीय राजमार्ग 30 आतुरगांव के पास पिकअप वाहन की टक्कर से दो युवक घायल हो गए थे। एक युवक को गंभीर चोट आने पर प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रायपुर रिफर किया गया था। चोट गंभीर होने के कारण युवक का इलाज के दौरान मौत हो गया। पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर विवेचना में लिया गया था।

विवेचना में पाया गया कि 20 अक्टूबर को मृतक दीपेश कुमार कावडे पिता चंदु लाल कावड़े अपने दोस्त मनोज यादव के साथ मोटर सायकल क्रमाक सीजी 19 बी जी 5611 मे सवार होकर ग्राम मुरागांव से घर धनतुलसी जा रहे थे। दोपहर करीबन साढ़े 3 बजे आतुरगांव राष्ट्रीय राजमार्ग 30 में पहुचे थे कि कांकेर की ओर से आ रही पीकप वाहन क्रमाक सीजी 19 बी आर 5947 का चालक अपने वाहन को तेज लापरवाही एंव उतावलेपन से चलाकर ठोकर मारकर एक्सीडेंट कर दिया, जिससे मृतक एंव उसका दोस्त मोटर सायकल सहित रोड मे गिर गए। एक्सीडेंट से मृतक दीपेश कुमार कावड़े एंव उसके दोस्त मनोज यादव को चोटे आया था। मृतक दीपेश कुमार कावडे को गंभीर चोट आने

▶▶| शेष पेज 10 पर

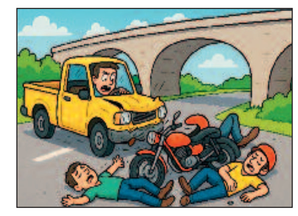

तालकुर्रा की देवी भागवत कथा में हुई भक्ति वर्षा, कलशयात्रा में उमड़े लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

जिले के ग्राम तालाकुर्रा में इन दिनों आस्था, श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। गांव में आयोजित 7 दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत अमृतवर्षा कथा ने पूरे क्षेत्र को भक्तिमय वातावरण में सराबोर कर दिया है। कथा आयोजन से पूर्व निकाली गई भव्य कलश यात्रा ने गांव की गलियों को देवी भक्ति के रंग में रंग दिया।

श्रीमद् देवी भागवत अमृतवर्षा आयोजन के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर भक्ति भाव से यात्रा में भाग लिया। यह कलश यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होती हुई

▶▶| शेष पेज 10 पर

समाज में आध्यात्मिक ऊर्जा बिखरी

कार्यक्रम की सफलता के लिए आयोजक समिति द्वारा समुचित व्यवस्थाएं की गई हैं। इस अवसर पर सरपंच विनोद रावटे ने बताया कि यह आयोजन समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक चेतना के साथ-साथ समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन गांव में आध्यात्मिक वातावरण के निर्माण के साथ संस्कारों को भी सुदृढ़ करते हैं। इस अवसर पर ग्राम पटेल जोगीराम नुरुटी, उपसरपंच जितेंद्र साहू, संजय जैन सहित गांव के गणमान्य नागरिक, बुजुर्ग, युवा और बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे।

धनोरा में 20 को होगा वार्षिक मेला

दुधावा। तहसील सरोना के अंतर्गत ग्राम धनोरा का वार्षिक देव मेला का आयोजन 20 जनवरी मनाया जाएगा। रात्रिकालीन कार्यक्रम छत्तीसगढ़ी लोककला नाचा पार्टी उदय किरण का होगा। मेला को लेकर ग्राम समिति अध्यक्ष राजेश नेताम, देव समिति अध्यक्ष कृष्ण कुमार सेन, ग्राम पटेल दयाराम भास्कर, मुकेश राय उपसरपंच, गायता बिसेलाल भास्कर, घसिया राम भास्कर, ग्राम ठाकुर सईत राम भास्कर, लोकचंद ठाकुर, युवा अध्यक्ष राकेश भास्कर, जवाहर लाल साहू,धनीराम मानिकपुरी एवं देव भुनेश्वर दास मानिकपुरी एवं समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं।

यातायात माह में स्कूली बसों की सघन जांच विद्यार्थियों की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

यातायात पुलिस और परिवहन विभाग ने संयुक्त रूप से जिला मुख्यालय में संचालित सभी निजी स्कूल बसों की व्यापक जांच कर यह स्पष्ट संदेश दिया कि बच्चों की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जानकारी के अनुसार यातायात माह के तहत गोविंदपुर स्कूल मैदान में 18 जनवरी को जिले में संचालित निजी स्कूल बसों के लिए विशेष चेकिंग अभियान का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिला परिवहन अधिकारी ऋषभ नायडू एवं परिवहन विभाग की टीम के सहयोग से शहर की निजी स्कूल बसों को मैदान में बुलाया गया। यहां जिला मुख्यालय के विभिन्न स्कूलों से संबंधित लगभग 55 वाहनों की संपूर्ण दस्तावेज जांच और फिटनेस परीक्षण किया गया। जांच के दौरान बसों की यांत्रिक स्थिति, ब्रेक, टायर, इमरजेंसी एग्जिट, अग्निशमन यंत्र सहित सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों की बारीकी से जांच की गई। अधिकारियों ने वाहन चालकों और संचालकों को सख्त निर्देश दिए कि प्रत्येक बस में हेल्पर अनिवार्य रूप से रखें, ओवरलोडिंग न करें, चालक और हेल्पर निर्धारित वर्दी में रहें तथा बच्चों को सड़क पार कराते समय हेल्पर की सहायता लें। साथ ही सभी वाहन दस्तावेज अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बसों में अग्निशमन यंत्र की उपलब्धता, ओवर स्पीड न चलाने, शराब सेवन कर वाहन न चलाने, किसी अज्ञात व्यक्ति को लिफ्ट न देने और बच्चों के अलावा किसी अन्य को बस में न बैठाने की सख्त हिदायत दी गई।

दस्तावेज सत्यापन अनिवार्य होगा

यातायात प्रभारी दीपक साव ने स्पष्ट किया कि बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नए चालक की नियुक्ति पर उसका दस्तावेज सत्यापन अनिवार्य होगा तथा किसी भी शिकायत पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में आज होने वाले चुनाव में छत्तीसगढ़ से 20 सदस्य हिस्सा लेंगे

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव में विधायक विक्रम की भागीदारी, जिले के लिए है उपलब्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में छत्तीसगढ़ की मजबूत मौजूदगी एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति में प्रदेश की बढ़ती भूमिका को रेखांकित कर रही है। दिल्ली में 19 जनवरी को होने वाले इस महत्वपूर्ण चुनाव में छत्तीसगढ़ से 20 सदस्य हिस्सा लेंगे, जिनमें कांकेर जिले के अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी का नाम शामिल होना क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। यह न सिर्फ अंतागढ़ बल्कि पूरे कांकेर अंचल के लिए एक बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। आज 19 जनवरी को दिल्ली में होने वाले इस चुनाव में छत्तीसगढ़ से कुल 20 निर्वाचित सदस्य भाग लेंगे। इन सदस्यों में अंतागढ़ से छह बार के विधायक और दो बार मंत्री रह चुके विक्रम उसेंडी का शामिल होना विशेष महत्व रखता है। उनका इस राष्ट्रीय प्रक्रिया का हिस्सा बनना कांकेर जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है। विक्रम उसेंडी का राजनीतिक सफर लंबा और प्रभावशाली रहा है। वे न केवल पाँच बार विधायक चुने गए हैं, बल्कि एक बार सांसद, प्रदेश सरकार में दो बार मंत्री पद की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। विगत समय जेपी नड्डा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में भी शामिल हो चुके है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में वोट डालने का अधिकार राष्ट्रीय परिषद और प्रदेश परिषदों के निर्वाचित सदस्यों को होता है। इन सभी सदस्यों को मिलाकर ही इलेक्टोरल कॉलेज का गठन किया जाता है। यही इलेक्टोरल कॉलेज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करता है। छत्तीसगढ़ से 20 सदस्यों का इस इलेक्टोरल कॉलेज में शामिल होना इस बात का संकेत है कि पार्टी संगठन में प्रदेश की भूमिका लगातार मजबूत हो रही है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनाव में छत्तीसगढ़ की सक्रिय भागीदारी और अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी की उपस्थिति प्रदेश के राजनीतिक कद को नई ऊंचाई देने वाली मानी जा रही है।

जमीन से जुड़े नेता को मिला मौका

कांकेर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र से आने वाले नेता का राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रक्रिया में भाग लेना क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। इससे यह संदेश जाता है कि भाजपा संगठन में जमीनी स्तर से जुड़े नेताओं को राष्ट्रीय मंच पर भी अवसर मिल रहा है। स्थानीय कार्यकर्ताओं और समर्थकों में इसे लेकर उत्साह का माहौल है।

संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा स्पर्धा का हर्षोल्लास से हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दुर्गुकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम झिटाकाटोला में आयोजित परेकोड़ो संकुल स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन समारोह उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में संकुल क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

समापन अवसर पर मुख्य अतिथि आनंद तेता ने खिलाड़ियों से कहा कि खेल बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेलों के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, टीम भावना, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। पढ़ाई के साथ-साथ खेलों को भी जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना चाहिए, जिससे बच्चे संतुलित और सशक्त नागरिक बन सकें। जीत और हार खेल का हिस्सा है, लेकिन खेल भावना के साथ सहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। समारोह के अंत में विभिन्न खेल विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण

▶▶| शेष पेज 10 पर

खबर संक्षेप

पालक-शिक्षक सम्मेलन में शैक्षणिक विकास पर चर्चा

दुर्गुकोंदल। शासकीय प्राथमिक शाला राऊरवाही में पालक-शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें महेंद्रपुर, सटेली और राऊरवाही के पालक-शिक्षक शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से बच्चों के भविष्य, नियमित उपस्थिति और शाला की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान शिक्षकों और पालकों के बीच सीधा संवाद हुआ। शिक्षक तुलसी केमरो ने पालकों को बच्चों के सीखने के स्तर की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चे घर पर भी पढ़ाई पर ध्यान दें और नियमित रूप से स्कूल आएं। सरपंच बलराम टेपरिया ने कहा कि शाला के विकास के लिए पंचायत स्तर पर हर संभव सहयोग किया जाएगा। सम्मेलन की अध्यक्षता शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष नरेश कोमरा ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत सरपंच, विशिष्ट अतिथि वार्ड पंच मेहर उईके एवं भीम कोमरा, जितेंद्र नायक, देवाराम कोठारे एवं पालक शिक्षक उपस्थित रहें।

धनोरा में 20 को होगा विराट सनातन संगम

धनोरा। केशकाल ब्लॉक के ग्राम धनोरा में 20 जनवरी को विराट सनातन संगम आयोजन किया गया है। सनातन संगम में पाटेश्वर धाम की के रामबालक दास त्यागी बालक भगवान एवं मुख्य वक्ता के रूप में रामनाथ कश्यप और सभी समाज के प्रमुख पधारेंगे। आयोजन की तैयारी धनोरा आंचल का सनातन समाज द्वारा किया जा रहा है।

ललिता बनीं ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष

कोण्डागांव। ऑल इंडिया बंजारा सेवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष टी.सी. राठौर के निर्देश एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सदाशिव राम नायक के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ प्रदेश की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। प्रदेश अध्यक्ष अजय नायक द्वारा महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों की सूची जारी की गई। कार्यकारिणी में ललिता भारद्वाज को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। ललिता भारद्वाज इससे पहले महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुकी हैं। समाजहित में कई जागरुकता कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभा चुकी हैं। उनके निरंतर सामाजिक योगदान, संगठन के प्रति समर्पण और नेतृत्व क्षमता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

धान खरीदी में पारदर्शिता पर दिया जोर, किसानों से किया सीधा संवाद

प्रभारी सचिव भीम सिंह ने धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोंडागांव

जिले के प्रभारी सचिव भीम सिंह शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर कोंडागांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न धान खरीदी एवं संग्रहण केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना भी उनके साथ उपस्थित रहीं।

प्रभारी सचिव ने अपने दौरे की शुरुआत चिलपुटी धान खरीदी केंद्र से की। यहां उन्होंने खरीदी प्रक्रिया का बारीकी से अवलोकन किया तथा किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। इस दौरान उन्होंने पिछले माह खरीदे गए धान के बोरों की तौल भी कराई। श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि धान खरीदी में पारदर्शिता और निर्धारित मानकों का पालन सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोंडागांव–कनेरा रोड स्थित धान संग्रहण केंद्र में उन्होंने भंडारण क्षमता, धान उठाव की स्थिति एवं मिलरों से संबंधित जानकारी ली। अधिकारियों को समयबद्ध उठाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, जिससे खरीदी कार्य प्रभावित न हो। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई, अपर कलेक्टर चित्रकांत चार्ली ठाकुर, खाद्य अधिकारी नवीन श्रीवास्तव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जुगानी केंद्र की व्यवस्थाओं की सराहना

दौरे के अंतिम चरण में प्रभारी सचिव ने जुगानी धान खरीदी केंद्र का निरीक्षण किया। यहां इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनों से हो रही तौल और सुव्यवस्थित व्यवस्था की उन्होंने प्रशंसा की तथा प्रभारियों के कार्य की सराहना की। ग्राम गुमड़ी के किसान देवनाथ कोर्राम ने बताया कि उन्होंने साढ़े पांच एकड़ में धान की खेती कर टोकन के माध्यम से धान बेचा है और तौल एवं भुगतान व्यवस्था से संतुष्ट हैं। वहीं जुगानी के किसान मिलन हलदर ने गांव में ही खरीदी केंद्र खुलने से हुई सुविधा की सराहना की।

एआईसीसी सचिव व विधायक देवेंद्र ने युवाओं के साथ कांकेर में लगाई दौड़

नशे के खिलाफ युवाओं की भरी हुंकार और राष्ट्र निर्माण का दोहराया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कांकेर

जिले में बढ़ते नशे के खिलाफ एक सशक्त और प्रेरणादायक संदेश देते हुए एनएसयूआई द्वारा मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने न केवल युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया, बल्कि एक स्वस्थ समाज, उज्ज्वल भविष्य और मजबूत राष्ट्र निर्माण का संकल्प भी दोहराया। युवा व युवती वर्ग के लिए दौड़ नरहरदेव मैदान से शुरू होकर नरहरदेव मैदान पर ही समाप्त हुई। नरहरदेव मैदान में आयोजित युवाओं को संबोधित करते हुए एआईसीसी के सचिव राजेश तिवारी ने कहा कि नशा पूरे देश और प्रदेश के युवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। यह केवल एक व्यक्ति की समस्या नहीं है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा विषय है। जब युवा नशे की गिरफ्त में आते हैं, तो उनका शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास रुक जाता है, जिससे देश की प्रगति भी प्रभावित होती है। दुर्भाग्य की बात है कि आज सत्ता में बैठी सरकारें शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देने के बजाय शराब और नशे से होने वाली आमदनी को प्राथमिकता दे रही हैं। इससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। कांग्रेस पार्टी और उसके अग्रणी छात्र संगठन एनएसयूआई हमेशा से नशे के खिलाफ संघर्ष करते आए हैं और आगे भी करते रहेंगे। यह मैराथन दौड़ यह संदेश देती है कि युवा अब चुप नहीं बैठेंगे। भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव ने कहा कि एनएसयूआई द्वारा आयोजित यह नशा विरोधी मैराथन दौड़ केवल एक प्रतीकात्मक आयोजन नहीं, बल्कि प्रदेश के युवाओं के भविष्य को बचाने की एक मजबूत पहल है। मैं एनएसयूआई कांकेर के जिला अध्यक्ष सुमित राय एवं उनकी पूरी टीम को इस जागरूकता अभियान के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। आज नशा हमारे समाज की सबसे बड़ी समस्याओं में से एक बन चुका है।

नशा हमारे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती : विधायक सावित्री

विधायक सावित्री मंडावी ने कहा कि नशा हमारे समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बन चुका है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव हमारे युवा साथियों पर पड़ रहा है, जो देश का वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य भी हैं। नशा व्यक्ति की सोच, स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करता है। ऐसे समय में युवाओं द्वारा आगे आकर नशे के खिलाफ आवाज उठाना यह दर्शाता है कि हमारा समाज अभी जागरूक है और बदलाव के लिए तैयार है। मैं यह कहना चाहती हूं कि सरकारों की जिम्मेदारी होती है कि वे युवाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और खेल के बेहतर अवसर उपलब्ध कराएं। दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज प्रदेश में नशे को बढ़ावा देने वाली नीतियां देखने को मिल रही हैं। इससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। हमें मिलकर ऐसी नीतियों का विरोध करना होगा और नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बसंत यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

उपस्थित रहे

इस अवसर पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे, प्रदेश कांग्रेस कमेटी महामंत्री नरेश ठाकुर, प्रदेश कांग्रेस सचिव जनक नंदन कश्यप, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव पंकज वाधवानी, पूर्व गौ सेवा सदस्य नरेंद्र यादव, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेंद्र दुबे, युवा कांग्रेस कार्यकारिणी अध्यक्ष महेंद्र नायक, विधानसभा अध्यक्ष खोमेंद्र, एनएसयूआई अध्यक्ष सुमित राय, अमन गायकवाड़ सहित कांग्रेस के सभी संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का सर्मपण वृद्धा आश्रम का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण किरण चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव श्रीमती गायत्री साय द्वारा 14 जनवरी को सर्मपण वृद्धा आश्रम का निरीक्षण किया गया।

■ वृद्धजनों की सुविधाओं सुरक्षा व विधिक अधिकारों का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान आश्रम में निवासरत वृद्धजनों को उपलब्ध कराई जा रही आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं का विस्तारपूर्वक अवलोकन किया गया। सचिव ने वृद्धजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा आश्रम के कर्मचारियों को वृद्धजनों की देखभाल एवं सुविधाओं में निरंतर सुधार के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान वृद्धजनों को उनके विधिक अधिकारों के बारे में अवगत कराया गया एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी दी गई। सचिव ने आश्रम प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि वृद्धजनों के सम्मान, सुरक्षा एवं कल्याण के लिए सभी आवश्यक कदम उठाया जाना अत्यंत आवश्यक है। निरीक्षण के समापन पर सभी वृद्धजनों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए फल एवं लड्डू का वितरण किया गया। इस अवसर पर वृद्धा आश्रम के कर्मचारीगण तथा अधिकार मित्र लोकेश कुमार यादव एवं रंजन कुमार वैध उपस्थित रहे।

ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता में लोक परंपराओं की दिखी भव्य झलक

सरोना। विकासखंड विकासखण्ड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चोरिया के आश्रित ग्राम डोंगरीपारा में बस्तर पंडुम विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में बस्तर अंचल की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, परंपरा और लोक जीवन की जीवंत झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज की परंपरागत जीवनशैली, कला, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ाव को मंच प्रदान किया गया, जिसे देखने बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहें। इस अवसर पर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि बस्तर की आदिवासी संस्कृति विश्वभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। आदिवासी संस्कृति हमें प्रकृति के करीब रखती है और जीवन के सही मूल्यों को अपनाने की सीख देती है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है और हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में मदद मिलती है। बस्तर पंडुम जैसे आयोजनों को संस्कृति संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यक्रम के दौरान बस्तर की पारंपरिक औषधीय ज्ञान परंपरा, लोक नृत्य, प्राकृतिक पूजा पद्धतियां, आदिवासी रीति-रिवाज और धातु कला जैसी लोक कलाओं का सुंदर प्रदर्शन किया गया। इसके साथ ही बस्तर दशहरा की झांकी ने दर्शकों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। गोटुल जैसे सामाजिक संस्थानों की परंपरा, हल्बी और गोंडी भाषा की सांस्कृतिक विरासत को भी मंच के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। बस्तर की सादगीपूर्ण जीवनशैली, जल-जंगल-जमीन से जुड़े आयोजनों ने लोगों पर गहरा प्रभाव डाला। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की प्रकृति आधारित जीवनशैली और सामुदायिक परंपराओं को प्रमुखता से दिखाया गया, जिससे युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने का संदेश मिला।

इस अवसर पर नरहरपुर जनपद अध्यक्ष सोमन कावड़े, मत्स्य बोर्ड अध्यक्ष भरत मटियारा, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष संजू गोपाल साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष टिकेश्वर सिन्हा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष यशवंत सुरोजिया, उप सरपंच दिनेश सहारे, जनपद सदस्य अमेरिका नेताम, सरपंच हेमंत कुमार भास्कर, सगे सिंह वट्टी, सीईओ बेनुराम सुखदेवे, जिला पंचायत सदस्य पंकज सिन्हा व अन्य उपस्थित रहें।

भजन कीर्तन के साथ मंदिर में पूजा अर्चना

जगदलपुर। महादेवघाट स्थित राधेय कृष्णा मंदिर में सनातन संस्कृति व बसंत ऋतु के आगमन पर सूर्य के उत्तरायण का महापर्व मकर संक्रान्ति के पवित्र पावन अवसर पर पूजा पाठ, आरती, और भजन कीर्तन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओ ने धार्मिक लाभ प्राप्त करते हुए प्रसाद ग्रहण किया। इस आयोजन में मंदिर के प्रधान पुजारी निलैन्द्र यादव, सेवक निर्मल यादव, दुर्गा यादव, मनोज यादव अन्य का योगदान रहा।

कोंडागांव पहुंचा धम्मरथ, महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन में जोश

कोण्डागांव। बोधगया स्थित महाबोधि महाविहार मुक्ति आंदोलन के एक वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित होने वाले विशाल धरना आंदोलन और माघ पूर्णिमा महोत्सव में सहभागिता के लिए भिक्षु धम्मतप राजनांदगांव, राष्ट्रीय संयोजक ऑल इंडिया बुद्धस्टि फोरम ने जनसंपर्क धम्म यात्रा के तहत कोंडागांव पहुंचकर लोगों से आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया। भिक्खु धम्मतप ने अपने संबोधन में कहा कि महाबोधि महाविहार बौद्धों की आस्था का केंद्र है। उसकी मुक्ति के लिए चल रहा आंदोलन अब निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने 1 फरवरी से 12 फरवरी के बीच बोधगया में होने वाले विशाल धरना आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। भिक्खु धम्मतप के विचारों से प्रेरित होकर कोंडागांव के बौद्ध समाज ने निर्णय लिया कि वे महाबोधि महाविहार मुक्ति के समर्थन में हजारों पत्र कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजेंगे, ताकि केंद्र सरकार तक समाज की भावना और मांग स्पष्ट रूप से पहुंचे।

सरस्वती सायकल योजना में 21 बालिकाओं को मिली साइकिलें

कोण्डागांव। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुनागांव में निःशुल्क सरस्वती सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत बुनागांव के सरपंच छबीलाल नेताम रहे। उन्होंने विद्यालय में अध्ययनरत 21 बालिकाओं को सायकल वितरित की। सायकल वितरण के दौरान सरपंच छबीलाल नेताम ने छात्राओं से कहा कि शासन की इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ना है। उन्होंने सभी छात्राओं से नियमित रूप से विद्यालय आने और शिक्षा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम के माध्यम से बालिकाओं को विद्यालय आने–जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में निरंतरता बनी रहेगी इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती मिनी डेनियल, प्रधान अध्यापक किरण कुमार नाग, संकुल समन्वयक धरम देवांगन, उप–सरपंच लखेश्वर नेताम, ग्राम सभा अध्यक्ष श्रीमती पंचबती नेताम, सचिव मानसिंह मरकाम, रामसिंह नाग सहित शिक्षकगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

मर्दापाल तहसील क्षेत्र की समस्याओं को लेकर सीपीआई ने सौंपा ज्ञापन

कोण्डागांव। मर्दापाल तहसील क्षेत्र के ग्रामीणों की ज्वलंत समस्याओं के समाधान को लेकर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया जिला परिषद कोण्डागांव के नेतृत्व में शनिवार को साप्ताहिक बाजार से तहसील कार्यालय तक रैली निकाली गई। नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ता तहसील कार्यालय पहुंचे और राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार मर्दापाल को सौंपा।

सीपीआई ने ज्ञापन में बताया कि नवगठित तहसील मर्दापाल के अंतर्गत आने वाले कई गांव संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्र में होने के कारण अब तक विकास की मुख्यधारा से वंचित हैं। ग्रामीणों को वनाधिकार पत्र, बिजली, शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाएं अब तक पूरी तरह नहीं मिल पाई हैं, जिससे यह क्षेत्र सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़ा हुआ है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से मांग की गई कि 2008 से पात्र हितग्राहियों को अब तक वनाधिकार पत्र नहीं मिला, उन्हें तत्काल अधिकार पत्र दिए जाएं। ग्रामीण विद्युतीकरण योजना से वंचित पारा–मोहल्लों और घरों में जल्द बिजली पहुंचाई जाए। सीपीआई ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षकों की कमी और उच्च शिक्षा के सीमित साधनों के कारण युवा बेरोजगार हैं। मांग की गई कि स्थानीय शिक्षित बेरोजगारों को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की भर्तियों में प्राथमिकता दी जाए। अन्य प्रमुख मांगों में शामिल हैं क्षेत्र के गौण खनिजों का उत्खनन केवल स्थानीय सहकारी समितियों या सार्वजनिक उपक्रमों के माध्यम से कराया जाए। चिटफंड कंपनियों में फंसी आम जनता की राशि वापस दिलाई जाए। सीपीआई ने ज्ञापन में स्पष्ट किया कि पूर्व में भी कई बार मांगें रखी गईं, लेकिन शासन–प्रशासन ने गंभीरता नहीं दिखाई। यदि अब भी समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो जनसमर्थन के साथ व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की होगी।

जैविक खेती और आदिवासी महिला सशक्तिकरण को मिली राष्ट्रीय पहचान

बस्तर की बेटी दसमती हर्बल फार्मिंग आइकॉन 2026 के लिए नामांकित

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कोण्डागांव

मां दंतेश्वरी हर्बल समूह की अध्यक्ष और बस्तर की मूल आदिवासी गोंड समुदाय से आने वाली दसमति नेताम को देश के प्रतिष्ठित कृषि सम्मान हर्बल फार्मिंग आइकॉन 2026 के लिए नामांकित किया गया है। यह सम्मान अप्रैल माह में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में प्रदान किया जाएगा।

■ दिल्ली में सम्मानित होगी दसमती

दसमति नेताम पिछले करीब 30 वर्षों से जैविक खेती और वन औषधीय पौधों के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही हैं। उन्होंने विशेष रूप से आदिवासी महिलाओं को खेती से जोड़कर हजारों परिवारों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है, जिससे बस्तर अंचल में आजीविका के स्थायी साधन विकसित हुए हैं। दसमती ने ग्रामीण विकास का प्रशिक्षण वर्धा से, पर्यावरण संरक्षण का प्रशिक्षण टिहरी गढ़वाल उत्तराखंड से, आयुर्वेदिक औषधि निर्माण का प्रशिक्षण बांदा उत्तरप्रदेश से, तथा टिशू कल्चर टेक्नोलॉजी का प्रशिक्षण पुणे से प्राप्त किया है। इसके साथ ही उन्होंने बाबा आमटे के संस्थान से भी ग्रामीण उद्योग और महिला सशक्तिकरण का प्रशिक्षण लिया है।

मिशन ब्लैक गोल्ड' और 'मिशन सिंदूरी' से हजारों परिवार लाभान्वित

वर्तमान में वे मां दंतेश्वरी हर्बल महिला समूह की अध्यक्ष और 25 वर्ष पुराने समाजसेवी संस्थान 'संपदा' की भी अध्यक्ष हैं। उनके नेतृत्व में 'मिशन ब्लैक गोल्ड' के तहत घर–बाड़ी में काली मिर्च रोपण, मिशन सिंदूरी' के तहत अनाटो जैसे बहुउपयोगी पौधों का निःशुल्क वितरण, जैसे अभियानों से हजारों आदिवासी परिवारों की आय में वृद्धि हुई है।

आदिवासी समाज के लिए गौरव बनी दसमती

दसमती नेताम का यह नामांकन मां दंतेश्वरी हर्बल समूह, बस्तर अंचल और समूचे आदिवासी समाज के लिए गर्व का विषय है। यह साबित करता है कि बस्तर की बेटियां अब देश के कृषि और ग्रामीण विकास के मंच पर नई पहचान बना रही हैं।

पेज 9 के शेष

गढ़ कलेवा का...

जाएगा या फिर यह भी शहर की उन योजनाओं में शामिल हो जाएगा जो कागजों में तो पूरी हो गईं, लेकिन जमीनी हकीकत में दम तोड़ देगी।

ढाबे में दाल...

बात सुनकर पंकज यादव और अधिक नाराज हो गया। आरोप है कि उसने जान से मारने की धमकी देते हुए पास में पड़ी लोहे की रॉड से मदन यादव पर हमला कर दिया। इस हमले में मदन यादव के बाएं हाथ और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। बीच-बचाव करने पहुंचे ढाबा मैनेजर मनीष यादव के साथ भी आरोपी ने मारपीट की, जिससे उन्हें भी चोटें आईं। घटना के दौरान संग्राम कोरेटी और एमएस मोटर्स के मैनेजर मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने पूरी घटना को प्रत्यक्ष रूप से देखा और बीच-बचाव किया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी पंकज यादव के खिलाफ धारा 115 (2), 296 और 351 (3) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया।

कार वाशिंग ग्राहक...

मंडल और अन्य लोगों ने बीच-बचाव किया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी अभिजीत विश्वास और सत्या विश्वास के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 3 (5), 351 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। दोनों पक्षों की शिकायत सुनने के बाद पुलिस ने निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए दोनों ओर से काउंटर केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पिकअप की टक्कर...

से 22 अक्टूबर को शाम 5 बजें मौत हो गया। दीपेश कुमार कि मौत पीकप वाहन क्रमाक सीजी 19 बी आर 5947 का चालक अपने वाहन को तेज लापरवाही एंव उतावलेपन से चलाकर ठोकर मारकर एक्सीडेंट करने से आई चोटो से होना पाया गया। पिकअप वाहन क्रमाक सीजी 19 बीआर 5947 के चालक के खिलाफ धारा 281,125 (ए), 106 (1) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया।

तालकुर्रा की देवी...

माँ दंतेश्वरी मंदिर, नंदेश्वर महादेव और बजरंगबली मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कथा स्थल पर समापन हुआ। यात्रा के दौरान राधे-राधे और हरि बोल के जयघोष से पूरा गांव गूंज उठा। पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी महिलाओं की सहभागिता ने यात्रा की शोभा को और भी बढ़ा दिया। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्ति भाव से कथा श्रवण करते नजर आए। कथा वाचक पंडित देवव्रत शास्त्री द्वारा श्रीमद् देवी भागवत के पौराणिक प्रसंगों के साथ धर्म और कर्म के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला जा रहा है। कथा के दौरान भजन-कीर्तन से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने देवी कथाओं को ध्यानपूर्वक सुना और जीवन में धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

संकुल स्तरीय बाल...

पत्र प्रदान किए गए। पुरस्कार वितरण के दौरान बच्चों के चेहरों पर उत्साह और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। अभिभावकों ने भी बच्चों के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर की। समापन समारोह में विशेष रूप से पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सोप सिंह आंचला, रमेश सलाम, धानसिंह ध्रुव, सोमदेव कोरेटी, बुधवार ठाकुर, हीरेसिंह दर्रा, राजू सिंगोदिया, सरादु कोमरा, आनंद जैन, कोमलदेव ठाकुर, दीनदयाल पटेल, संतराम चुरेंद्र, उत्तम सलाम, नसीब बढ़ाई, झाड़ू भुरकुरिया सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण, अभिभावक एवं ग्रामवासी उपस्थित रहें।

खबर संक्षेप

सड़कों की सौगात देने के लिए माना आभार

दरभा। चित्रकोट विधानसभा में 122 करोड़ के सड़कों की सौगात देने के लिए विधायक विनायक गोयल का मंडल महामंत्री दरभा दुर्जन सिंह कश्यप ने आभार माना। कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा की विधायक गोयल के प्रयासों से चित्रकोट विधानसभा में विकास की गति तेज हुई है। उन्होंने कहा कि 122 करोड़ के सड़कों की सौगात मिलने से क्षेत्र के लोगों को आने-जाने में सुविधाएं तो होगी और व्यापार-व्यवसाय साथ साथ रोजगार के आसार में भी वृद्धि होगी। उन्होंने हमेशा क्षेत्र के विकास के साथ आम जन मानस के मांगो को प्राथमिकता देते हुए हमेशा काम किया है और उनकी इस पहल से क्षेत्र के लोगों को बहुत लाभ होगा। उन्होंने कहा कि यह सड़कें न केवल क्षेत्र के लोगों के लिए बल्कि पूरे विधान सभा के पहुंच विहीन क्षेत्रों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। वहीं विधायक द्वारा दरभा ब्लॉक में 5 सड़कें स्वीकृत कराई गई हैं। विधायक के नेतृत्व में चित्रकोट विधानसभा में विकास ने नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने हमेशा उनका अपार जन समर्थन किया है और आगे भी करते रहेंगे।

धनुर्जय ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भानपुरी के अध्यक्ष नियुक्त

बस्तर। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों की सूची जारी किया है। लंबे इंतजार के बाद सूची जारी किया गया। जिसमें नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भानपुरी के अध्यक्ष धनुर्जय नेताम को नियुक्त किया गया है। उन्हें ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। नेताम ने कहा कि सभी कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस पार्टी की रीति-नीति पर चलते हुए न्याय की इस लड़ाई में जनता का पक्ष मजबूती से उठाएंगे और संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।

गीदम ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बने अनिल कर्मा

गीदम। छत्तीसगढ़ कांग्रेस कमेटी ने राज्य में ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की है। इस कड़ी में गीदम ब्लॉक के अध्यक्ष के रूप में अनिल कर्मा को जिम्मेदारी दी गई है। अनिल कर्मा एक तेजतर्रार और पार्टी के सक्रिय कार्यकर्त्ता रहे हैं, जिसके कारण पार्टी ने उन्हें ब्लॉक का नेतृत्व देकर उन पर अपना विश्वास जताया है। अनिल कर्मा ने कहा कि वे गीदम ब्लॉक में कांग्रेस संगठन को अधिक मजबूत एवं सशक्त बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वे पार्टी के निर्देशों का पालन करेंगे और ब्लॉक में कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने बधाई दी है। उन्होंने कहा कि अनिल कर्मा के नेतृत्व में गीदम ब्लॉक में कांग्रेस पार्टी और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि वे गीदम ब्लॉक के सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करेंगे और पार्टी को मजबूत बनाएंगे।

मनरेगा संविदा कर्मचारी के असामयिक निधन पर शोक

गीदम। मनरेगा अंतर्गत कार्यरत दुष्यंत साहू, सहायक प्रोग्रामर का 16 जनवरी को आकस्मिक देहांत हो गया। उनके असमय चले जाने से न केवल उनका परिवार बल्कि जिले का समूचा मनरेगा परिवार शोक, स्तब्धता और गहरे दुःख में डूबा हुआ है। सीमित वेतन, असुरक्षित भविष्य और अत्यधिक कार्यदबाव के बावजूद उन्होंने कभी अपने कर्तव्यों से समझौता नहीं किया। उनका पूरा जीवन सेवा, संघर्ष और उम्मीदों के बीच बीत गया। इतने वर्षों की निष्ठावान सेवा के बावजूद साहू को नियमित कर्मचारी का दर्जा नहीं मिल सका। वे लंबे समय से संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण की लड़ाई लड़ रहे थे। यह लड़ाई केवल एक पद की नहीं थी, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और परिवार के भविष्य की थी।

छात्र-छात्राओं ने दी रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति, अतिथियों ने बढ़ाया उत्साह

सरस्वती शिशु मंदिर में सांस्कृतिक संध्या एवं आनंद मेला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

सरस्वती शिशु मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय में सांस्कृतिक संध्या, आनंद मेला, पूर्व छात्र सम्मेलन, मातृ सम्मेलन व अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक चैतराम अटामी, नगर पंचायत गीदम के पूर्व अध्यक्ष नवीन विश्वकर्मा, रेखा विश्वकर्मा, जनपद सदस्य राकेश मंडावी, विद्यालय समिति के व्यवस्थापक दयाशंकर गुप्ता व पूर्व छात्र मूलचंद जैन उपस्थित रहे। अतिथियों ने मां सरस्वती, ओम व मां भारती के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना की गई। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा देश के सभी राज्यों की संस्कृति को अपनी प्रतिभा के माध्यम से समस्त अतिथियों, पालकों व आमजनों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस दौरान बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें देश की सांस्कृतिक एकता की झलक दिखाई दी। मंचासीन अतिथियों सहित उपस्थित पालकों ने बच्चों का उत्साहवर्धन तालियो के साथ किया। अटामी ने कहा कि शिशु मंदिर गीदम में इस तरह के आयोजन वर्ष भर आयोजित होते है। यहां के बच्चे प्रतिभावान होते हैं, संस्कार पक्ष मजबूत होता है। मैं इस विद्यालय के विकास के लिए हर संभव सहयोग करता रहूंगा। नवीन विश्वकर्मा ने कहा कि इस विद्यालय ने 40 वर्षों से अपनी ख्याति बनाकर रखी है।सरस्वती शिशु मंदिर हमारी धार्मिक संस्कृति, संस्कारों की पाठशाला है। राकेश मंडावी ने कहा कि मैं शिशु मंदिर में पढ़ा हूं इसलिए आज इस मुकाम तक पहुंचा हूं। बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर अनुशासन एवं संस्कृति के संरक्षक के रूप में जाना जाता है। जीवन में अनुशासन अति आवश्यक है जिसे बच्चों में प्रारंभिक दौर से ही होना चाहिए और सदैव अपने लक्ष्य को याद करते हुए उसे प्राप्त करने के लिए भरपूर प्रयास करना चाहिए। भैया बहनों का मार्गदर्शन करते हुए पूर्व छात्र मूलचंद जैन ने कहा कि हम सभी पूर्व छात्रों को अपने इस विद्यालय के लिए तन मन धन से सहयोग करना चाहिए। आने वाला समय में यहां पर छोटे बच्चों के लिए झूला फिसलपट्टी हम सब मिलकर लगाएंगे। विद्यालय के प्राचार्य विजय कुमार दुबे ने अतिथियों एवं पालकों समक्ष विद्यालय की शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियों की जानकारी दी। इस दौरान बड़ी संख्या में पालक, बच्चे व विद्यालय के समस्त आचार्य दीदी उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन आचार्य गोवर्धन ठाकुर ने किया।

व्यंजनों का उठाया लुफ्त

इस दौरान विद्यालय में भैया बहनों द्वारा आनंद मेला का भी आयोजन किया। जिसमें भैया बहनों ने तरह-तरह के पकवान एवं व्यंजनों जैसे गुलाब जामुन, दही बड़ा, ब्रेड पकोड़ा, केक, चाउमीन, सेवपुरी, पास्ता व गुपचुप आदि की वैरायटी रखी। जिसका अतिथियों एवं पालकों ने भरपूर आनंद उठाया।

मुख्यमंत्री ने केबिनेट में चर्चा का दिया आश्वासन

1998-99 एलवी संवर्ग शिक्षकों की पुरानी पेंशन पर सरकार गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

- प्रतिनिधि मंडल से 40 मिनट संवाद,तथ्यों को माना गया मजबूत

1998-99 एलवी संवर्ग शिक्षकों की पुरानी पेंशन की एकसूत्रीय मांग अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री से भेंट कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की,जिसमें नियुक्ति प्रक्रिया, नियमितीकरण,विभागीय विलय और पेंशन नियमों से जुड़े सभी तकनीकी व संवैधानिक पहलुओं को स्पष्ट रूप से रखा गया। मुख्यमंत्री ने पूरे विषय को गंभीरता से सुनते हुए इसे न केवल जायज बताया, बल्कि इसे नीति-स्तर पर विचार योग्य भी माना।

प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि 1998-99 में मध्यप्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत नियमित पदों पर निश्चित वेतनमान के साथ नियुक्तियां हुई थीं और वार्षिक वेतनवृद्धि भी दी जाती रही। इसके बावजूद 2001 में नियमितीकरण और पंचायत स्कूलों के विलय के समय इन शिक्षकों को विभाग में समायोजित नहीं किया गया,जो एक बड़ी प्रशासनिक विसंगति रही। वर्ष 2018 में शासकीयकरण हुआ,लेकिन 2004 के पूर्व नियुक्त होने के बावजूद इन्हें पुरानी पेंशन योजना से वंचित रखा गया।

संघ ने यह भी बताया कि वर्तमान में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को मात्र 1300-2300 रुपये मासिक पेंशन मिल रही है,जो सम्मानजनक जीवन के लिए अपर्याप्त है। अब तक 1000 से अधिक शिक्षक सेवानिवृत्त हो चुके हैं और 2028 तक यह आंकड़ा 75 प्रतिशत तक पहुंचने वाला है। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि इस विषय को केबिनेट बैठक में चर्चा हेतु रखा जाएगा और आगे की प्रक्रिया के लिए महासम्मेलन की तिथि तय की जाएगी।

इस दौरान प्रदेश संगठन सचिव विश्वनाथ प्रधान,संभागीय अध्यक्ष हजरत अली,संभागीय उपाध्यक्ष डेजमन रजवाड़े, अशोक कुमार दर्पण,अब्राहम खलको,अशोक साहू,गुलाब देवांगन, बोधन राजवाड़े,यशवंत प्रताप सिंह,सूरज सिंह, झामेश्वर राजवाड़े सहित बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

1998-99 एलवी संवर्ग शिक्षकों की नियुक्ति 2004 के पूर्व हुई, ऐसे में भारत सरकार के सिविल सेवा पेंशन नियम 1972 और छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम 1976 के अनुसार इन्हें पुरानी पेंशन का लाभ मिलना चाहिए। अन्य संवर्गों— संविदा, दैनिक वेतनभोगी, अंशकालीन और अनियमित कर्मचारियों को यह लाभ पहले ही मिल चुका है,लेकिन यह वर्ग अब भी वंचित है। वर्तमान में बेहद कम पेंशन मिलने से इन शिक्षकों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति गंभीर हो चुकी है। यही कारण है कि अब यह मांग केवल आर्थिक नहीं,बल्कि न्याय और सम्मान से जुड़ा मुद्दा बन चुकी है।

एनएमडीसी ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित की रिपब्लिक डे रन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बचेली

भारत की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक और जिम्मेदार खनन कंपनी एनएमडीसी ने गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर बचेली परियोजना में मैराथन दौड़ - 'रिपब्लिक डे रन, 2026' का आयोजन किया। इस दौड़ का शुभारंभ एनएमडीसी के ब्रांड एंबेसडर, निखत ज़रीन (दो बार की विश्व बॉक्सिंग चैंपियन) एवं श्रीधर कोडाली, परियोजना प्रमुख, एनएमडीसी, बचेली द्वारा हरी झंडी दिखाकर की।

रिपब्लिक डे रन, 2026 में एनएमडीसी के कर्मचारियों, सीआईएसएफ कर्मियों, छात्रों और मेजबान समुदाय के सदस्यों सहित 500 से अधिक धावकों ने भाग लिया। रन दो श्रेणियां में आयोजित किया गया- 5 किमी और 10 किमी। कार्यक्रम में सभी प्रतिभागीगण उत्साहित दिखे। अंत में सभी प्रतिभागियों को पदक से सम्मानित किया गया।

कोलाईगुड़ा कैम्प ने जीता ग्रामीणों का दिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्टा

- सुरक्षा से सेवा तक, 50वीं बटालियन ने आयोजित की सिविक एक्शन प्रोग्राम

सुकमा जिला के कोण्टा विकास खंड के भेज्जी थाना क्षेत्र में सेवा दे रहे 50 वीं वाहिनी केरिपुबल ने कोलाईगुडा कैम्प में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि नक्सल प्रभावित कोलाईगुडा, बीराभटी, जग्गावरम, तोलनई, और कोसनपारा गांव सुरक्षा का केन्द्र बन चुका है। और इस क्षेत्र में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सहायता, स्नेह और सम्मान की भावना को भी मजबूती से स्थापित कर रहा है। अठारह जनवरी को इस कैम्प में सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ सेक्टर के सीआरपीएफ

महानिरीक्षक तथा उप महानिरीक्षक परिचालन रेंज कोंटा राजेश पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं 50वीं बटालियन के कमाण्डेंट प्रेमजीत कुमार के पर्यवेक्षण में एवम द्वितीय कमान अधिकारी परिचालन नीरज कुमार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में सहायक कमांडेंट राकेश सिंह सहित अन्य अधिनस्थ अधिकारी व जवानों की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम के अंतर्गत कोलाईगुडा, बीराभट्टी, जग्गावरम, तोलनाई, और कोसनपारा गांवों के निवासियों को साडी, मच्छरदानी, कंबल, वॉलीबाल, वॉलीबाल नेट, छाता, फुटबाल, किकेट बैट एवं बॉल, स्टील बर्तन, माइको फोन, पैसिव स्पीकर, सोलर स्टीट लाईट आदि वस्तुएं वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों को दवाईंया भी वितरित की गई।।

इस पहल का उद्देश्य न केवल ग्रामीणों को शासन की विकास योजनाओं से अवगत कराना था। बल्कि उन्हें बरसात में फैलने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक करना और समाज की मुख्यधारा से जोड़ना भी था। इस कार्यक्रम से कोलाईगुडा, तोलनाई, जग्गावरम और बीराभटी गांव के 250 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित हुए। जिनमें स्त्रियां, पुरुष और बच्चे भी शामिल थे। इन गांवों के नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर यह दिखा दिया कि अब वे परिवर्तन को अपनाने के लिए तैयार हैं। सभी ग्रामवासियों को प्रोजेक्टर के माध्यम से मछली एवं मधुमक्खी पालन का विडियों दिखाकर उन्हें रोजगार हेतु जागरूक किया गया। कभी पिछडेपन और भय का पर्याय रहा यह गांव अब विकास और विश्वास की ओर बढ़ रहा हैं। केरिपुबल की निरंतर सक्रियता और जनसंपर्क की रणनीति ने ग्रामीणों के मन से भय को हटाकर उनके बीच सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और सरकारी सहायता योजनाओं के प्रति विश्वास पैदा किया है। इस अवसर पर सभी आगंतुकों और ग्रामीणों के लिए 50वीं बटालियन की ओर से स्नेह भोज का भी आयोजन किया गया। जिसमें भागीदारी ने आपसी सौहार्द और विश्वास को और मजबूत किया।

लखेश्वर कश्यप ने उठाए सवाल 'पंडूम' के नाम पर संस्कृति का बाजारीकरण बंद करे शासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

इन्द्रावती नदी बचाओ समिति के जिलाध्यक्ष, वरिष्ठ आदिवासी सामाजिक चिंतक एवं पूर्व सैनिक लखेश्वर कश्यप ने शासन द्वारा 'पंडूम उत्सव' के नाम पर किए जा रहे करोड़ों रुपये के खर्च पर तीखा सवाल उठाते हुए इसे बस्तर की आत्मा से छेड़छाड़ करार दिया है। लखेश्वर कश्यप ने कहा कि शासन को स्वयं यह स्पष्ट नहीं है कि वास्तविक पंडूम क्या है,फिर भी इसे एक औपचारिक, मंचीय और प्रचारात्मक आयोजन में बदलकर आदिवासी संस्कृति का विकृतिकरण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पंडूम बस्तर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है। दक्षिण बस्तर में इसे पंडूम और मध्य बस्तर सहित अन्य क्षेत्रों में माटी तिहार के नाम से जाना जाता है। यह कोई एक-दो दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति,समाज और देव परंपरा से जुड़ा महीनों चलने वाला सामूहिक अनुष्ठान है, जिसकी शुरुआत चैत्र नवरात्रि से होती है। इसमें महुआ के फूल, आम, आवला और धान की पुटकी माटी देव को अर्पित की जाती है। लोग जंगल जाकर पारदी खेलते हैं और जो भी प्राप्त होता है, उसे माटी देव को चढ़ाकर प्रसाद के रूप में पूरे समाज में बांटा जाता है। कहा कि पंडूम बस्तर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर है। दक्षिण बस्तर में इसे पंडूम और मध्य बस्तर सहित अन्य क्षेत्रों में माटी तिहार के नाम से जाना जाता है। यह कोई एक-दो दिन

का कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रकृति,समाज और देव परंपरा से जुड़ा महीनों चलने वा ला सामूहिक अनुष्ठान है, जिसकी शुरुआत चैत्र नवरात्रि से होती है। इसमें महुआ के फूल, आम, आवला और धान की पुटकी माटी देव को अर्पित की जाती है। लोग जंगल जाकर पारदी खेलते हैं और जो भी प्राप्त होता है, उसे माटी देव को चढ़ाकर प्रसाद के रूप में पूरे समाज में बांटा जाता है।

लखेश्वर ने बताया कि दक्षिण बस्तर में इस दौरान महिलाएं बाट छेकनी की परंपरा निभाती हैं,जिसमें वे रास्ता रोककर आने-जाने वालों से पारंपरिक रस्म अदायगी कराती हैं। यह सब आदिवासी जीवन की सामूहिकता, समानता और सहभागिता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शासन इन जीवंत परंपराओं को समझे बिना,केवल मंच,बैनर और प्रचार तक सीमित कर रहा है, जो हमारी सांस्कृतिक आत्मा के साथ अन्याय है।

पूर्व सैनिक कश्यप ने शासन से सवाल किया कि जब बस्तर के हर गांव में अलग-अलग समय पर पारंपरिक त्योहार होते हैं,तो उसी समय पर गांव या ब्लॉक स्तर पर वास्तविक सांस्कृतिक प्रोत्साहन क्यों नहीं दिया जाता? इससे लोग अपनी जड़ों से जुड़े रहेंगे और संस्कृति जीवित रहेगी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि 'पंडूम' जैसे पारंपरिक नामों के साथ छेड़छाड़ करने के बजाय, यदि शासन को कोई बड़ा आयोजन करना ही है तो उसका नाम 'ऐतिहासिक बस्तर संस्कृति महोत्सव' रखा जाए, ताकि उसकी आत्मा सुरक्षित रहे।

पंडूम एक नजर में

पंडूम कोई सरकारी आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर के आदिवासी समाज का प्रकृति-केंद्रित जीवन उत्सव है। इसकी शुरुआत चैत्र नवरात्रि से होती है और यह लगभग एक माह तक चलता है। इसमें जंगल,अन्न,फल,फूल,देव परंपरा और सामूहिकता का गहरा संबंध होता है। माटी देव को अर्पण,पारदी खेल,प्रसाद वितरण और बाट छेकनी जैसी परंपराएं केवल रस्में नहीं,बल्कि समाज को जोड़ने वाली सांस्कृतिक डोर हैं। इसे मंचीय तमाशे में बदलना, इसकी आत्मा को नष्ट करना है।

ठाकुर अनुकूल चन्द्र जन्मोत्सव पर भंडारा

जगदलपुर। शहर के सत्संग विहार में रविवार को श्री ठाकुर अनुकूल चन्द्र का 138 वां जन्मोत्सव महोत्सव के रूप में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। विभिन्न धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रम और भंडारा आयोजित किए गए, भंडारा में भक्तों ने प्रसाद ग्रहण लिया। इस दौरान पहुंचे भक्तों ने ठाकुर अनुकूल चंद्र जी द्वारा जन कल्याण के लिए बताए गए दृष्टांतों पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने ठाकुर अनुकुलचंद्र जी के वचनों और जीवन दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि उनकी वाणी जीवन का उद्देश्य मनुष्य बनना है, केवल जीना नहीं और चरित्र ही मनुष्य की सबसे बड़ी पूंजी है।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

ससम्मान दी विदाई अनुभव किया साझा

भानुप्रतापपुर। सेवानिवृत्त और स्थानांतरण होने वाले संकुल समन्वयकों को संकुल समन्वयक संघ भानुप्रतापपुर के द्वारा सह-सम्मान विदाई दी गई। इस अवसर पर सेवानिवृत शिक्षक बिरेन्द्र मरकाम, आनंद यदु अन्नयंत्रित ब्लॉक, दानवेन्द्र मढ़रिया अन्नयंत्रित ब्लाक, नरेंद्र राणा अन्नयंत्रित ब्लॉक शिक्षको द्वारा सभी ने बारी बारी से अपने अनुभव को साझा किया। इसी कड़ी में ब्लॉक के अधिकारियो द्वारा भी बारी बारी से सभी मुख्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ तिलक लगाकर सभी का स्वागत कर शुभकामनायें दी गई।साथ ही उपहार स्वरुप सभी को प्रतिक चिन्ह दिया गया।

मानसगान के दूसरे दिन गूंजा राम नाम

बासनवाही। सरोना तहसील के छापरपारा में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय त्रिदिवसीय मानस गान के द्वितीय दिवस श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण रहा। इस अवसर पर प्रदेश के विभिन्न अंचलों से पहुँची मानस मंडलियों ने अपने सुमधुर स्वर में रामचरितमानस की चौपाइयों और भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में मानस गायन के माध्यम से प्रभु श्रीराम के आदर्श जीवन, मर्यादा और भक्ति का सुंदर वर्णन किया गया। मंडलियों की सजीव प्रस्तुति पर श्रोता झूमते नजर आए और पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस राज्य स्तरीय आयोजन का उद्देश्य मानस परंपरा को सहेजना तथा नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामवासी एवं मानस प्रेमी उपस्थित रहे। मानस गान का समापन तृतीय दिवस सोमवार को पुरस्कार वितरण एवं विशेष प्रस्तुति के साथ किया जाएगा।

दुग्गा नगर युकां अध्यक्ष व सिन्हा ग्रामीण अध्यक्ष बने

दुर्गुकोंदल। प्रदेश एवं जिला युवा कांग्रेस संगठन द्वारा दुर्गूकोंदल ब्लॉक में युवा नेतृत्व को मजबूत करते हुए नई जिम्मेदारियों का वितरण किया गया है। संगठन के निर्णय के अनुसार महत्तम दुग्गा को दुर्गूकोंदल ब्लॉक नगर युवा कांग्रेस अध्यक्ष तथा गन्नू सिन्हा को ग्रामीण युवा कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस घोषणा के बाद क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थक युवाओं में खुशी एवं उत्साह का माहौल है। युवा कांग्रेस के इस निर्णय को संगठनात्मक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नव नियुक्त पदाधिकारियों से युवाओं को संगठित करने, पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा जमीनी स्तर पर संगठन को और अधिक सक्रिय करने की अपेक्षा की जा रही है।

बीमारी ठीक करने के दावे, भय और प्रलोभन से हुए थे मतांतरित, आत्मचिंतन के बाद लौटे सनातन व आदिवासी संस्कृति की ओर

आदिवासियों की सामूहिक रूप से मूलधर्म में हुई वापसी और ईसाई धर्म से हुआ मोहभंग

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कांकेर

- पीढ़ापाल क्षेत्र के आदिवासी अपनी परंपरा और संस्कार को अपनाया
- झूठ के खिलाफ आदिवासी चेतना का उदय, आदिवासी आत्मसम्मान की जीत

जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पीढ़ापाल क्षेत्र से एक अहम सामाजिक घटनाक्रम सामने आया है, जिसने पूरे इलाके का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। वर्षों पहले धर्मांतरित हुए परिवारों ने सामूहिक रूप से अपने मूल धर्म में वापसी का निर्णय लेकर सामाजिक समरसता और संवाद का उदाहरण पेश किया है। यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं था, बल्कि वर्षों से चले आ रहे भय, झूठ और प्रलोभन के खिलाफ आदिवासी समाज की चेतना का प्रतीक था।

मूल धर्म में लौटे ग्रामीणों ने बताया कि उनका ईसाई धर्म में परिवर्तन किसी आध्यात्मिक खोज के कारण नहीं हुआ था। बल्कि बीमारी ठीक होने के दावों और लोभ के माध्यम से उनका मनोबल प्रभावित किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार उन्हें कहा गया कि केवल बाइबिल के आदेशों का पालन करने से ही बीमारी ठीक होगी और पारंपरिक देवी-देवताओं की पूजा शैतान-पूजा के रूप में बताई गई। इस प्रक्रिया के दौरान ग्रामीणों को अपने काम-काज और आजीविका छोड़कर चर्च जाने को कहा जाता था और यह विश्वास दिलाया जाता था कि ऐसा करने से जीवन में धन लाभ और सुख-समृद्धि आएगी। समय के साथ, ग्रामीणों को यह एहसास हुआ कि यह धार्मिक अनुशासन केवल उनकी संस्कृति, परंपरा और ग्राम समाज की एकता को कमजोर करने वाला था। इसके परिणामस्वरूप उनके भीतर गहरी ग्लानि और आत्मचिंतन पैदा हुआ। उन्होंने सामूहिक रूप से अपने निर्णय को बदलते हुए मूल धर्म में लौटने का मार्ग अपनाया।

25 गांव के करीब 200 लौटे मूलधर्म में

सर्व समाज के पदाधिकारियों एवं समाज के लोगों ने बताया कि लगभग 25 गाँव के 200 से ज्यादा लोग मूल धर्म में वापिस आए है। उन्होने स्पष्ट किया कि सनातन एवं आदिवासी संस्कृति सर्वसमावेशी है, जिसमें सभी देवी-देवताओं और परंपराओं का सम्मान किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि अब वे अपनी संस्कृति और जीवन-दर्शन को बनाए रखने के लिए सजग रहेंगे और किसी भी तरह के जबरन धर्मांतरण के प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगे। पीढ़ापाल की यह घटना न केवल धर्मांतरण के तरीकों पर सवाल उठाती है, बल्कि यह दिखाती है कि जागरूक समाज अपनी संस्कृति और सामाजिक एकता के लिए कितनी दृढ़ता से खड़ा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की सामूहिक वापसी भविष्य में आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक संरचना को मजबूत बनाएगी।

मतांतरित ग्रामीणों में शामिल

पीढ़ापाल में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम धनतुलसी, मोदे, साल्हेभाट, कानागांव, बुधियारमारी, टोडामर्का, मांदरी, क्रिस्टीकुर, किरगापाटी, पीढ़ापल, मुजालगोंदी और तुलतुली जैसे गांवों के मतांतरित ग्रामीण शामिल रहे। मूल धर्म में वापिस होने वालो में जिनमें बृजलाल कवाची, सागर मंडावी, कमल सिंह कावड़े, ब्रजलाल कुंजाम, राजेश नेरेटी, सुखराम नेरेटी, गणेश दुग्गा, भागवत नाग, बेनु राम नाग, शिवचरण पटेल, राहुल पटेल, सुनो नाग, लक्ष्मी पटेल, संतोष निषाद, दुपसिंह कांगे, गंगू राम कुमेटी, जोहन कुमेटी, मोतीराम, भगतराम, छबीलाल, राधेलाल, सरजू, छरकु राम शोरी, देवसिंग नाग, रामदयाल तारम, बृजलाल कावड़े, जयसिंह मड़ावी, संतुराम हुपेंडी, अंकाल कोरेटी, लक्ष्मण उसेंडी, सोगुराम कावड़े, शिवचरण नाग, लीलाबाई कचलाम, संपत कोरेटी, गणेश कोरेटी, आधीन कचलाम, जोहत्रिन शोरी, हीराराम दुग्गा, करण सिंह दर्रो, कुंवर सिंह दर्रो, राधेलाल चक्रधारी, अजय सिंह, गोवर्धन सोनवानी, विष्णु पद्दा, अशोक कावाची, बरातू पोया, गन्नू यादव, रामलाल दुग्गा, शियाशाम नरेटी, जयराम सोनवानी, तुलसी सोनवानी, तिलक मरकाम, सरित मंडावी, श्रीराम नरेटी, अमिता पटेल, सुखिया बाई निषाद, इशू कावड़े, तुलसी हिचामी, दुवारु राम नरेटी, बिरूराम नूरेटी, नरेश यादव, जैनसिंह तारम, सुखराम कावड़े, श्यामलाल विश्वकर्मा, मान सिंह मंडावी, महादेव वट्टी, बिद बाई दुग्गा, दयाराम हिचामी, मनीराम कुमेटी एवं सरिता हिड़को सहित सैकड़ो शामिल रहे।

परिवार समेत मूल धर्म में वापसी संस्कृति संरक्षण कार्यक्रम जारी

चारामा। विकासखंड चारामा के ग्राम पंचायत पलेवा में एक आदिवासी परिवार के पति-पत्नी ने अपने मूल धर्म में वापसी की है। यह वापसी गांव में आयोजित गोंडी संस्कृति, सामाजिक रीति-नीति और विचार गोष्ठी कार्यक्रम के दौरान कराई गई। पलेवा निवासी अमित कुमार धुर्वा और उनकी पत्नी ने समाज और ग्रामीणों की मौजूदगी में परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ अपने मूल धर्म को फिर से अपनाया। अमित कुमार धुर्वा ने बताया कि करीब 25 वर्ष पहले बीमारी के कारण उन्होंने धर्म परिवर्तन किया था, लेकिन वे अपनी पारंपरिक संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़ाव नहीं बना पाए। इसी वजह से उन्होंने अपने मूल धर्म में लौटने का फैसला किया। ग्राम सरपंच घनश्याम जुर्री ने बताया कि समाज द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान पहले धर्मांतरित हो चुके आदिवासी दंपति ने समाज के सामने अपने मूल धर्म में वापसी की, जिसका पूरे समाज ने स्वागत किया। समाज प्रमुख रोहित नेताम ने कहा कि समाज की संस्कृति को बचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। गोंडी संस्कृति एक प्राकृतिक संस्कृति है, जो धीरे-धीरे विलुप्त होती जा रही है। इसे बचाने के लिए समाज लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने मूल धर्म में लौटे लोगों का स्वागत किया। मूल धर्म में वापसी करने वाले अमित कुमार धुर्वा ने बताया कि वे पहले काफी समय से बीमार थे और कई डॉक्टरों से इलाज कराने के बाद भी उन्हें राहत नहीं मिली। इसके बाद वे प्रार्थना सभा से जुड़े, लेकिन अब उन्होंने अपने समाज और संस्कृति से जुड़ते हुए मूल धर्म में वापसी की है, जिसे समाज के लोगों ने स्वीकार करते हुए स्वागत किया।

बिना प्रशिक्षण के नोडल अधिकारियों की नियुक्ति से धान खरीदी चरमराई

बासनवाही। सरकारी लापरवाही और तकनीकी नाकामी के चलते धान खरीदी व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। भौतिक सत्यापन जैसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए बिना किसी प्रशिक्षण के नोडल अधिकारियों की नियुक्ति कर दी गई, जबकि सत्यापन के लिए बनाए गए सरकारी ऐप्स जमीनी स्तर पर खुल ही नहीं रहे हैं। हालात यह हैं कि नोडल अधिकारी खुद हाथ खड़े कर चुके हैं और किसान धान बेचने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। धान खरीदी की समय-सीमा समाप्त होने में अब केवल 12 दिन शेष हैं। बासनवाही खरीदी केंद्र में अब भी 149 किसान अपना धान नहीं बेच पाए हैं। हालात ऐसे बन चुके हैं मानो सरकार किसानों को कर्ज के दलदल में धकेलकर छोड़ चुकी हो। किसान सवाल उठा रहे हैं कि यदि समय रहते धान की खरीदी नहीं हुई तो वे बैंक, सहकारी समितियों और साहूकारों का कर्ज कैसे चुकाएंगे। खरीदी केंद्रों पर रोजाना किसानों की भारी भीड़ उमड़ रही है, लेकिन कभी सर्वर डाउन तो कभी सत्यापन ऐप बंद होने के कारण पूरा काम ठप पड़ा रहता है। किसानों का आरोप है कि प्रशासनिक अफसरों की उदासीनता और अधूरी तैयारियों की कीमत उन्हें भुगतनी पड़ रही है। किसान संगठनों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही धान खरीदी व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

आपदा में बचाव के लिए बच्चों को किया जागरूक

चारामा। जूनियर रेड क्रॉस हाराडुला द्वारा सभी बच्चों को प्राथमिक उपचार के बारे में बताया गया, जिसमें मुख्य रूप से दुर्घटना होने, सांप काटने, करंट लगने, बेहोश होने, कुत्ता काटने, पानी में डूबने जैसे समस्याओं पर क्या-क्या प्राथमिक उपचार किया जा सकता है। बच्चों को जानकारी शिक्षकों के द्वारा दी गई। इस अवसर पर रेड क्रॉस प्रभारी प्रेम प्रकाश साहू, हलधर ठाकुर, मंजू जैन, ओम प्रकाश नागवंशी, दीप्ति, मंजुला गोटी, शिवराम सिंन्हा, मोनिका शुक्ला, गणपत साहू, हेंमपूर्णा साहू, मोहम्मद आरिफ रिजवी एवं अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहें।

जनकपुर नहर लाइनिंग में भारी अनियमिताएं मनरेगा में जेसीबी और डोजर से हो रहे काम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भानुप्रतापपुर

- नियमों के उल्लंघन से ग्रामीण मजदूरों के रोजगार और मेहनत पर डाका

जल संसाधन विभाग द्वारा मनरेगा योजना के तहत किए जा रहें कार्यों में एक बार फिर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। विकासखण्ड भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत परवी के आश्रित ग्राम जनकपुर में नहर लाइनिंग, वाटर कोर्स लाइनिंग और पुलिया निर्माण जैसे कार्यों में मजदूरों की जगह जेसीबी और डोजर मशीनों का खुलेआम उपयोग किया गया। यह न सिर्फ मनरेगा के नियमों का सीधा उल्लंघन है, बल्कि ग्रामीण मजदूरों के रोजगार और मेहनत की कमाई पर भी डाका है।

मामला तब उजागर हुआ जब महीनों से भुगतान से वंचित मजदूर और वाहन मालिक एसडीएम कार्यालय पहुँचे और ज्ञापन सौंपकर अपनी पीड़ा बताई। इसके बाद विभाग में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में मजदूरों व वाहन मालिकों को नगद भुगतान का आश्वासन दिया गया। जानकारी के अनुसार जल संसाधन विभाग द्वारा जनकपुर स्थित तालाब के माइनर में नहर लाइनिंग एवं वाटर कोर्स लाइनिंग का कार्य करीब 6 महीने पहले मशीनों से कराया गया। महज एक महीने में काम बंद कर दिया गया। मजदूरों ने जब भुगतान की मांग की तो कुछ राशि ऑनलाइन भुगतान कर दी गई, जबकि शेष राशि शीघ्र भुगतान का झांसा दिया गया। महीनों तक भुगतान नहीं होने और अधिकारियों द्वारा पल्ला झाड़ने पर मजबूर होकर मजदूरों ने एसडीएम कार्यालय व जल संसाधन विभाग के एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। घोठा निवासी शिवलाल कोमरा, टिकेश्वर कावड़े, रामप्रसाद कावड़े, फगनूराम उइका ने बताया कि एसडीओ के कहने पर 70 ट्रिप रेत डाली गई, जिसमें 25 हजार रुपएं नगद मिले, बाकी राशि के लिए महीनों से चक्कर लगवाया जा रहा है। फोन उठाना तो दूर, अधिकारी कार्यालय में भी उपलब्ध नहीं रहते। इसी तरह मजदूर पुरुषोत्तम, नर्मेद्र, अनिल, सावंत, जागेश्वर, नारायण, माखन, सुखेन्द्र, संतोष, तामेश्वरी, ममता, सावित्री, बिमला, अनिता, नरसो, कुमारी, साधना और सुरेंद्र ने बताया कि हर बार भुगतान की गुहार लेकर कार्यालय जाते हैं, लेकिन साहब मुख्यालय से गायब रहते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा कार्य किसानों को लाभ पहुँचाने के बजाय अधिकारियों की जेब भरने का जरिया बन गया है।

मनरेगा का उद्देश्य ग्रामीणों को 100 दिन का रोजगार देना है, लेकिन यहाँ मजदूरों की जगह मशीनों का प्रयोग कर फर्जी मास्टर रोल, सामग्री बिलों में हेरफेर और ठेकेदार-व्यापारी गठजोड़ के जरिये लाखों की बंदरबांट की गई। जो काम मजदूरों से सप्ताहों में होना था, वह मशीनों से 18-20 घंटे में निपटा दिया गया। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि मामले के उजागर होने के बावजूद अब तक न तो संबंधित इंजीनियर और एसडीओ पर कोई कार्रवाई हुई, न ही जिम्मेदारी तय की गई। उल्टे विभाग द्वारा उन्हें बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों और मजदूरों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई हो, ताकि भविष्य में मनरेगा जैसी जनहितकारी योजना भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़े।

मेले में नन्ही कलाकार का रस्सी पर डांस देखकर दर्शक हुए दंग

पखांजुर। परलकोट क्षेत्र के पखांजुर में आयोजित वार्षिक मेले में इन दिनों एक छोटी सी बच्ची आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। अपनी जान जोखिम में डालकर और अद्भुत एकाग्रता का परिचय देते हुए नन्हीं कलाकार पतली रस्सी पर केवल एक डंडे के सहारे न सिर्फ चल रही है, बल्कि उस पर नृत्य कर लोगों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर रही है। मेले के बीचों-बीच दो ऊंचे खंभों के बीच बंधी एक पतली रस्सी पर जब यह बच्ची चढ़ती है, तो पूरे परिसर की निगाहें उस पर टिक जाती हैं। हाथ में एक लंबा डंडा लेकर खुद को संतुलित करते हुए वह बच्ची जिस आत्मविश्वास के साथ रस्सी पार करती है, वह किसी पेशेवर जिम्नास्ट से कम नहीं है। डंडे के साथ तालमेल बिठाकर रस्सी पर थिरकना उसकी कला को और भी खास बना रहा है। बच्ची की इस प्रतिभा और कड़ी मेहनत को देखकर मेले में आए लोग भावुक और प्रभावित नजर आ रहे हैं। पैसों के साथ साथ जरूरत की सामग्री, खिलौने और कपड़े भेंट कर रहे हैं। कई लोग इसे बच्ची का हुनर मान रहे हैं, तो कई इसे उसकी जीवटता का प्रमाण कह रहे हैं। मेले में आए लोग इस नन्हीं कलाकार के वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। पखांजूर मेले की रौनक बढ़ा रही यह बच्ची न केवल मनोरंजन कर रही है, बल्कि अपनी अद्भुत कला से यह भी संदेश दे रही है कि प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती।

जिला अस्पताल से बाइक चोरी, दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

कांकेर। जिला अस्पताल कांकेर के पार्किंग स्थल पर खड़ी मोटर सायकल के चोरी होने की शिकायत वाहन मालिक ने थाना कांकेर में किया। वाहन मालिक ने पहले तो अपने स्तर पर वाहन को ढूंढने का कोशिश किया, लेकिन वाहन का कोई पता नही चला। मामला दर्ज होते ही कांकेर पुलिस ने 24 घंटा में वाहन समेत दो चोर को ढूंढ निकाला और दोनो आरोपी को रिमांड पर लिया। प्रार्थी बागोडार निवासी 32 वर्षीय परमेश्वर पटेल पिता सोनित पटेल शिकायत दर्ज कराया था कि 4 नवंबर को वह अपने रिश्तेदार टिकेश्वर पटेल से मिलने के लिए जिला अस्पताल कांकेर में आया था। देखने अपने मोटर सायकल सीजी 19 बीएच 1062 में सवार होकर आया था। अस्पताल के पार्किंग में सुबह 11 बजें अपने मोटर सायकल को रखा था। अस्पताल अंदर अपने रिश्तेदार टिकेश्वर पटेल को देखने चला गया और 1 घंटा बाद वापस आया देखा, जहां पर मैं अपने मोटर सायकल को पार्किंग में खड़ा किया था, वहां पर मेरा मोटर सायकल वाहन क्रमांक सीजी 19 बीएच 1062 नहीं था। अस्पताल में व अस्पताल के बाहर के लोगों से पुछताछ किया लेकिन कोई जानकारी नही मिला। कोई अज्ञात चोर मेरे मोसा सीजी 19 बीएच 1062 को चोरी कर ले गया। रिपोर्ट पर थाना कांकेर में अपराध क्रमांकः- 28/2026 धारा-303(2), बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। विवेचना दौरान मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्यवाही कर चोरी हुए मोटर सायकल को आरोपी अशोक उईके एवं उसके साथी कालेश कुंजाम से बारीकी से पूछताछ कर उनके कब्जे से बरामद कर जप्त किया गया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजने की अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

बनसागर में 28 से भागवत कथा

बनसागर। मोर शीतला एवं महानदी के पावन तट पर स्थित ग्राम बनसागर में 28 जनवरी से 5 फरवरी तक संपन्न होगा। वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथावाचक पं. जय श्रीकृष्ण शास्त्री अपने श्रीमुख से भागवत महापुराण की अमृतवाणी प्रवाहित करेंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से हरि इच्छा तक आयोजित की जाएगी।

पुलिस को शिकायती पत्र सौंपकर फौरन कार्रवाई की मांग की

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष ने यू टूबर के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▸▸| चारामा

प्रदेश के मंत्री रामविचार नेताम के बारे में यू-ट्यूबर आंकाक्षा टोप्पो द्वारा मानहानिकारक, अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करते हुए मिथ्या कथन इंटरनेट के माध्यम से प्रचालित करने पर अपराध दर्ज करने की मांग को लेकर किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अलोक ठाकुर सहित कार्यकर्ताओ ने चारामा थाना प्रभारी को ज्ञापन सौपा।

ज्ञापन सौपने के उपरांत किसान मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष अलोक ठाकुर ने कहा कि मैं भारतीय जनता पार्टी का समर्पित क्षेत्र में पार्टी के उददेश्यों का प्रचार-प्रसार करता हूं तथा भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता व पदाधिकारी हूं। भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर अपने वरिष्ठ सदस्य रामविचार नेताम को अपना आर्दश मानता हूं और उनके प्रति अगाध श्रद्धा है और उनका मेरे क्षेत्र में काफी मान-सम्मान है। यू-ट्यूबर आंकाक्षा टोप्पो ने सोशल मीडिया में फालोवर बढ़ाने के लिए लगातार फेसबुक और इंस्ट्राग्राम द्वारा किसी ना किसी सम्मानित व्यक्ति के विरूद्ध अपमानजनक, अभद्र, मानहानिकारक तथा ख्याति को अपहानि पहुंचाने के आशय से अपना वक्तव्य दावे के साथ इस तरीके से प्रचालित करती है कि सुनने वाले व्यक्ति को उसका बात सही लगने जैसा प्रतीत होता है जबकि वह इस बात को भली-भांति जानती है कि वह जो कार्य कर रही है वह फेसबुक व इंस्ट्राग्राम में अपना फालोवर बढाने के लिए कर रही है, जिसका कोई सत्यता नहीं है।

भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता ने इस मामले को लेकर यू टूबर के खिलाफ चारामा थाना में अपरध दर्ज करने की माँग को लेकर शिकायत पत्र सौंपा गया है। ज्ञापन सौपने के दौरान हेमेंद्र बंटी ठाकुर जिलाध्यक्ष अध्यक्ष किसान मौर्चा, खेम तिवारी जिलाध्यक्ष महामंत्री किसान मौर्चा,प्रताप सलाम, तिलेन्द्र चौहान,लोकेश नागवंशी, संदीप मेश्राम,सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।